



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 49-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 3, 2024 (AGRAHAYANA 12, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 26 नवम्बर, 2024

संख्या 12/250-बावडी नारनौल-2024/पुरा/4065-71.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250-बावडी नारनौल-2024/पुरा/2737-2744, दिनांक 30 जुलाई, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:—

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
बावडी नारनौल 17वीं शताब्दी पूर्व	बावडी नारनौल 17वीं शताब्दी पूर्व	नारनौल	महेन्द्रगढ़	4726/2 4727/2	80 X 80 (मीटर) (कोई राजस्व रिकार्ड उपलब्ध नहीं है)	पंजाब वक्फ बोर्ड, अम्बाला	यह बावडी नारनौल शहर के बाहरी क्षेत्र में बाबा खेता नाथ राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय के परिसर के अंदर स्थित है। यह तीन मंजिला स्मारक वास्तव में एक बावडी है, जिसकी एक भूगर्भ मंजिल है। एक तरफ सीढ़ियाँ हैं, जो इसके तल तक जाती हैं और सम्भवतः एक दीवार द्वारा दूसरी ओर स्थित कुएं से अलग की गई है। इस स्मारक के बारे में सबसे उल्लेखनीय बात इसकी दीवारों पर लिखी बातें हैं, जो उन लोगों द्वारा लिखी गई प्रतीत होती है, जो शायद अपनी यात्राओं के दौरान यहां रुके थे।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 26th November, 2024

No. 12/250-Baoli Narnaul-2024/pura/4065-71.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-Baoli Narnaul-2024/pura/2737-2744, dated the 30 July, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil/ district	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal- Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Baoli at Narnaul, 17th Century CE	Baoli at Narnaul, 17th Century CE	Narnaul	Mahendergarh	4726/2 4727/2	80 X 80 (meter) (no revenue record available)	Punjab Waqf Board, Ambala	This baoli is situated on the outskirts of city of Narnaul, inside the premises of Baba Kheta Nath Government Polytechnic College. This three storeyed monument is actually a step-well, with one floor at sub-ground level. There are stairs at one side that go all the way to the bottom and are perhaps separated by a wall from a well on its other end. The most remarkable thing about this monument are the writings on its walls which seem to have been written by people who had perhaps stayed here, during their journeys.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.